जुलाई, 2023 माह के दौरान इस मंत्रालय की कुछ प्रमुख उपलब्धियाँ/पहल इस प्रकार हैं:

1. माननीय केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने भारत में उद्यमशीलता के विकास को बढ़ावा देने के लिए 17 जुलाई, 2023 को नई दिल्ली में कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) द्वारा आयोजित चिंतन शिविर को संबोधित किया, जिसका उद्देश्य उद्यमशीलता को बढ़ावा देने की दिशा में सहयोग करने और एकीकृत दृष्टिकोण बनाने के लिए केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों, संगठनों, संस्थाओं, वित्तीय संस्थाओं और उद्यमियों सहित विभिन्न हितधारकों को एक साथ लाना था। श्री राजीव चन्द्रशेखर, राज्य मंत्री, एमएसडीई और इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय; सचिव, एमएसडीई और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने शिविर में भाग लिया। माननीय केंद्रीय मंत्री, श्री प्रधान ने इस अवसर पर बोलते हुए अपने विचार साझा किए कि कैसे उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए कौशल विकास का वित्त पोषण और नई डिजिटल और निर्माता अर्थव्यवस्था के लाभों को प्राप्त किया जाए और साथ ही कौशल विकास, प्रौद्योगिकी, डिजिटलीकरण, संस्थागत ऋण, क्षमता-विकास और ब्रांडिंग जमीनी स्तर पर उद्यमशीलता को और बढ़ावा दे सकती है और निचले स्तर की आबादी से लाखों नैनो उद्यमी तैयार कर सकती है।

2. माननीय केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने 4 जुलाई 2023 को नई दिल्ली में एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड की साझेदारी में ग्रामीण प्रबंधन संस्थान, आनंन्द द्वारा आयोजित एक सामाजिक उद्यम सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर, माननीय माननीय केंद्रीय मंत्री श्री प्रधान ने इनक्यूबेटर फॉर सोशल एंटरप्राइजेज एंड एंटरप्रेन्योर्स डेवलपमेंट, आईआरएमए द्वारा आयोजित सोशल ट्रेलब्लेज़र कार्यक्रम के दूसरे संस्करण का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का उद्देश्य जमीनी स्तर पर सामाजिक उद्यमिता इकोसिस्टम को और अधिक बढ़ावा देना और शुरुआती चरण के उद्यमियों का पोषण करना है।

3. माननीय केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने 15 जुलाई, 2023 को विश्व युवा कौशल दिवस पर कृत्रित मेधा पर एक निशुल्क ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम, एआई फॉर इंडिया 2.0 लॉन्च किया। स्किल इंडिया और जीयूवीआई की एक संयुक्त पहल, एनसीवीईटी और आईआईटी मद्रास से अधिकृत यह ऑनलाइन कार्यक्रम युवाओं को अग्रणी कौशल से लैस करेगा। इस अवसर पर बोलते हुए, माननीय केंद्रीय मंत्री, श्री प्रधान ने कहा कि प्रौद्योगिकी को भाषा का गुलाम नहीं बनना चाहिए और अधिक से अधिक भारतीय भाषाओं में प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रमों का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह प्रौद्योगिकी शिक्षा में भाषा की बाधा को खत्म करने और हमारी युवा शक्ति के भविष्य को, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, सुरक्षित करने की दिशा में एक अच्छी शुरुआत है।

4. माननीय केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमशीलता तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री, श्री राजीव चंद्रशेखर ने 14 जुलाई 2023 को नामदा शिल्प उत्पादों के पहले बैच को यूनाइटेड किंगडम (यूके) को निर्यात के लिए हरी झंडी दिखाई। कश्मीर के नमदा शिल्प को प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के एक भाग के रूप में स्किल इंडिया के प्रायोगिक परियोजना के तहत सफलतापूर्वक पुनर्जीवित किया गया है। इस पहल के तहत, लगभग 2,200 उम्मीदवारों को नमदा शिल्प की कला में प्रशिक्षित किया गया है, जो इस पारंपरिक शिल्प को संरक्षित करने और स्थानीय बुनकरों और कारीगरों को सशक्त बनाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस परियोजना ने मीर हस्तशिल्प और श्रीनगर कालीन प्रशिक्षण और बाजार केंद्र जैसे स्थानीय उद्योग भागीदारों के सहयोग से कश्मीर के छह जिलों, अर्थात् श्रीनगर, बारामूला, गांदरबल, बांदीपोरा, बडगाम और अनंतनाग में व्यक्तियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है।

5. परियोजनाएँ एवं कार्यशालाएँ:

i. अवसर परियोजना 12 राज्यों में स्व-सहायता समूहों, ट्रांसजेंडर समुदाय, महिलाओं और अल्पसंख्यक समूहों के 4500 उम्मीदवारों को कौशल और उद्यमशीलता विकास प्रशिक्षण प्रदान करने के लक्ष्य के साथ कार्यान्वित की जा रही है। दिनांक 31 जुलाई 2023 तक, 12 राज्यों के ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 81 केंद्र संचालित किए गए हैं, जिनमें 4500 महिला उम्मीदवार ब्यूटी थेरेपिस्ट, हाथ की कढ़ाई, स्व-रोजगार सिलाई, सामान्य ड्यूटी सहायक, मशरूम खेती और जैविक उत्पादक जैसे जॉब रोल्स में प्रशिक्षण ले रही हैं।

ii. दिव्यांग व्यक्तियों के लिए कौशल परिषद (एससीपीडब्ल्यूडी) के साथ भागीदारी में अल्पकालिक प्रशिक्षण इकोसिस्टम के लिए प्रशिक्षकों के रूप में दिव्यांग पेशेवरों का एक समूह विकसित करने की एक परियोजना कार्यान्वित की जा रही है। इस परियोजना में 150 दिव्यांग पेशेवरों को प्रशिक्षकों के रूप में और 25 पेशेवरों को मास्टर प्रशिक्षकों के रूप में प्रशिक्षित करना शामिल है। इस परियोजना से प्राप्त अनुभव के आधार पर, दिव्यांग प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए विशेष रूप से एक प्रशिक्षक अकादमी विकसित की जाएगी। जुलाई 2023 के दौरान सीआरसी लखनऊ में कुल 26 प्रशिक्षकों को नामांकित और प्रशिक्षित किया गया है और 14 प्रशिक्षकों को प्रमाणित किया गया है जबकि शेष उम्मीदवारों का मूल्यांकन प्रक्रियाधीन है।

iii. आकांक्षी जिला सिंगरौली (एमपी) में 600 उम्मीदवारों को हेवी अर्थ मूविंग मशीन (एचईएमएम) और अन्य खनन संबंधी मांग आधारित जॉब रोल्स में प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से एक परियोजना को संकल्प के तहत एक विशेष परियोजना के रूप में कार्यान्वित किया जा रहा है। इस परियोजना में खनन क्षेत्र की विभिन्न जॉब रोल्स (6 संख्या) में कौशल प्रशिक्षण, मूल्यांकन, प्रमाणन और शिक्षुता शामिल है।

iv. सेवानिवृत्त सैनिकों द्वारा प्रशिक्षकों और आकलनकर्ताओं के रूप में सेवा के दौरान प्राप्त किए गए कौशल को मान्यता देने और प्रमाणित करने के लिए भारतीय सेना के भारतीय सेना पूर्व सैनिक निदेशालय (डीआईएवी) के साथ भागीदारी में एक परियोजना कार्यान्वित की जा रही है। इस परियोजना का लक्ष्य 5000 सेवानिवृत्ति के करीब/सेवानिवृत्त सैन्य कर्मियों को कवर करना है। दिनांक 31.07.2023 तक, 12 क्षेत्रों में 28 जॉब रोल्स में 26 सेना प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षण आरंभ हो गया है। कुल 4183 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित और प्रमाणित किया गया है।

6. विश्व बैंक के अध्यक्ष श्री अजय बंगा ने 19 जुलाई 2023 को कुशल भारत मिशन के तत्वावधान में दिल्ली में एक कौशल केंद्र का दौरा किया। इस यात्रा के भाग के रूप में, एमएसडीई ने दो विश्व बैंक ऋण सहायता प्राप्त परियोजनाओं यानी औद्योगिक मूल्य संवर्धन के लिए कौशल सुदृढ़ीकरण (स्ट्राइव) और आजीविका संवर्धन के लिए कौशल अर्जन और ज्ञान जागरूकता (संकल्प) सहित कुशल भारत मिशन के तहत उपलब्धियों का प्रदर्शन किया। इसके अलावा, श्री बंगा ने केंद्र में उपस्थित और विभिन्न राज्यों से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से लाभार्थियों/उम्मीदवारों के साथ से बातचीत की।

7. नए पोर्टलों का विकास:

i. जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए जुलाई 2023 के महीने में आईटीआई द्वारा आयोजित क्रियाकलापों का डेटा एकत्र करने के लिए मासिक वेबफॉर्म (https://dgt.gov.in/G-20) तैयार किया गया।

ii. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की तीसरी वर्षगांठ के उत्सव में भाग लेने वाले नए आईटीआई का विवरण प्राप्त करने के लिए एक नए पोर्टल (https://dgt.gov.in/nep2023) का विकास।

iii. एडब्ल्यूएस टीम के सुझावों के अनुसार, भारतस्किल्स पोर्टल पर डीजीटी के लिए नए लैंडिंग पेज (https://bhartskills.gov.in/content/dgt-aws-mou) के अद्यतनीकरण के लिए एडब्ल्यूएस के साथ समझौता ज्ञापन।

8. शिक्षा मंत्रालय द्वारा 29 और 30 जुलाई को आईटीपीओ, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित एनईपी 2020 की तीसरी वर्षगांठ समारोह और दूसरे अखिल भारतीय शिक्षा समागम

(एबीएसएस) में भागीदारी। कार्यक्रम के दौरान माननीय प्रधान मंत्री द्वारा 12 क्षेत्रीय भाषाओं में 23 ट्रेडों को कवर करने वाली 100 पुस्तकें लॉन्च की गईं।

9. उपरोक्त पहलों के अलावा, सभी डेलिवरेब्लस के त्वरित निपटान में अत्यधिक तत्परता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए कई आंतरिक उपायों के माध्यम से कार्य निष्पादन को युक्तिसंगत बनाने की चल रही प्रक्रिया जारी रही।

****